जे बी अकादमी, अयोध्या

वार्षिक परीक्षा (2019-20)

विषय- हिन्दी (केन्द्रिक)

समय : 3 घंटे **कक्षा-XI** **अधिकतम अंक-80**

सामान्य निर्देश: इस प्रश्न पत्र के **तीन** खंड है- क,ख,ग। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(खंड-क)

1- निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

12

प्राचीन भारत में कुटीर उद्योग बहुत विकसित थे। अठारहवीं शताब्दी के मध्य तक भारत में बनी ढाका की मलमल, कश्मीरी शालें, और गलीचे संसार भर में प्रसिद्ध थे। देश भर में रेशमी कपडे, हाथी दाँत के सामान, सोने के आभूषण, ताँबे पीतल के बर्तन, आदि बनाने के उद्योग जोर-शोर से चल रहे थे। भारत में बने सूती ,रेशमी वस्त्रों, शालों और गलीचों आदि की विदेशों में बड़ी माँग थी, किन्तु अंग्रेज़ों के शासन काल में भारतीय वस्तुओं को इंग्लैंड की मशीनों से बने सस्ते माल से स्पर्धा करनी पड़ी। अंग्रेजी सरकार की व्यापार नीति भारतीय कुटीर उद्योग के लिए घातक सिद्ध हुयी। जब अंग्रेज़ों ने देशी राज्यों को अपने अधीन कर लिया तब भारतीय कारीगरों को मिलने वाला राजाश्रय भी बंद हो गया। इन कारणों से भारत के कुटीर उद्योगों का बड़ी तेज़ी से ह्रास हुआ।

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में कुटीर उद्योगों की बड़ी आवश्यकता है। यहाँ किसानों की खेती से वर्ष भर न तो काम मिलता है न पर्याप्त मात्रा में अन्न। इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का रहन-सहन अत्यंत सामान्य दर्जे का हो गया है। उनके पास बड़े व् लघु उद्योग शुरू करने के लिए पूँजी का अभाव है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती हुई जनसंख्या के अनुपात में रोजगार भी नहीं बढे हैं जिससे बेरोजगारी बढ़ती गयी। इस बेरोजगारी की समस्या को हल करने के लिए हमारी सरकार द्वारा कुटीर उद्योगों की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और उसके विकास के लिए प्रयत्न किये जा रहे हैं।

कुटीर उद्योगों द्वारा लोगों को पूरे या आंशिक समय का काम मिलेगा जिससे उनकी आमदनी बढ़ेगी और उनके रहन-सहन का दर्जा भी ऊँचा होगा। कुटीर उद्योग चलाने के लिए बहुत कम पूँजी की जरूरत होती है इसलिए सरकार पर विशेष आर्थिक बोझ भी नहीं पड़ेगा। कुटीर उद्योग चलाने के लिए साधारण तकनीकी जानकारी और स्थानीय कला-कौशल से काम चल जाता है। इनके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक लोगों को रोजगार दिया जा सकेगा। विभिन्न कुटीर उद्योग ग्रामीण क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को एक ठोस आधार प्रदान कर सकेंगे।

हमारे देश में कुटीर उद्योगों के विकास के मार्ग में कुछ अड़चनें भी आया करती हैं। प्रायः कुटीर उद्योगों के लिए कच्चे माल की नियमित रूप से पूर्ति नहीं हो पाती अथवा ऊँचे दामों पर खरीदना पड़ता है। आवश्यक पूँजी के अभाव में कुटीर उद्योगों के संचालकों को साहूकारों अथवा दलालों की शरण लेनी पड़ती है। पूँजी की कमी के कारण नए आविष्कृत यंत्रों का लाभ नहीं मिल पाता है। लोगों की बदलती रुचियों के अनुसार नए-नए फैशनों की चीजें तैयार नहीं हो पाती। तैयार माल के लिए बाज़ार न मिलने से कठिनाई होती है। बड़े-बड़े कारखानों में मशीनों पर तैयार किए गए सस्ते माल से स्पर्धा करनी पड़ती है। इन अड़चनों के कारण कुटीर उद्योगों की संतोषजनक प्रगति नहीं हो पाती।

(क) भारत की कौन सी वस्तुएँ सम्पूर्ण संसार में प्रसिद्ध थी ? **(2)**

(ख) भारतीय कुटीर उद्योग का नाश कब और क्यों हुआ? **(2)**

(ग) भारत में कुटीर उद्योगों की आवश्यकता अधिक क्यों है ? **(2)**

(घ) बेरोजगारी की समस्या के हल के लिए सरकार क्या प्रयत्न कर रही है ? **(2)**

(ङ) कुटीर उद्योग द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को क्या लाभ पहुँचेगा? **(2)**

(ङ) भारत में कुटीर उद्योग के विकास में कौन-सी मुख्य बाधाएँ हैं ? **(1)**

(ङ) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए ? **(1)**

2- निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **4**

थका हारा सोचता मन-सोचता मन।
उलझती ही जा रही है एक उलझन।
अँधेरे में अँधेरे से कब तलक लड़ते
सामने जो दिख रहा, वह सच्चाई भी कहें।
भीड़ अंधों की खड़ी खुश रेवड़ी खाती
अँधेरे के इशारों पर नाचती-गाती।
थका हारा सोचता मन -सोचता मन।
भूखी-प्यासी कानाफ़ूसी
दे उठी दस्तक
अंधा बन जा झुका दे तम-द्वार पर मस्तक।

रेवड़ी की बाँट में तू रेवड़ी बन जा
तिमिर के दरबार में दरबान-सा तन जा।
थका हारा, उठा गर्दन- जूझता मन
दूर उलझन! दूर उलझन! दूर उलझन
चल खड़ा हो पैर में यदि लग गयी ठोकर
खड़ा हो संघर्ष में फिर रोशनी होकर
मृत्यु भी वरदान है संघर्ष में प्यारे
सत्य के संघर्ष में क्यों रोशनी हारे।
देखते ही देखते दम तोड़ता है दम
और सूरज की तरह हम ठोंकते हैं ख़म।

(क) मन कैसा है तथा उलझन में क्यों है? **(1)**

(ख) 'भीड़' क्यों खुश है ? **(1)**

(ग) भूख-प्यास की विवशता ने मन को क्या सुझाव दिया ? **(1)**

(घ) 'मृत्यु भी वरदान है संघर्ष में प्यारे' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। **(1)**

(खंड- ख)

3. दुर्घटनाग्रस्त होने पर एक सप्ताह के अवकाश के लिए ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थी देवमणि गुप्ता की ओर से लखनऊ पब्लिक स्कूल, गोमती नगर, लखनऊ की प्रधानाचार्या को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए। **(5)**

4. अचानक आये भूकंप की एक अविस्मरणीय घटना ने आपको झकझोर कर रख दिया। इस दृश्य को अपने शब्दों में लिखिए। (लगभग 50-60 शब्दों में) **(5)**

5.निम्नलिखित में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए। **(1x4=4)**

(क) खोजपरक पत्रकारिता किसे कहते हैं ?

(ख) प्रमुख जनसंचार माध्यम कौन-कौन से हैं ?

(ग) 'एंकर बाइट' किसे कहते हैं ?

(घ) हिंदी के पहले साप्ताहिक पत्र का नाम लिखिए।

(ड.) सम्पादक के दो कार्य लिखिए।

6. आपके विद्यालय में आयोजित होने वाले वार्षिक खेल दिवस के लिए प्रेस-विज्ञप्ति तैयार कीजिए। **(3)**

7.निम्नलिखित शब्दों को हिंदी शब्दकोश के क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए। **(3)**

चरण, त्रिशूल, कच्छप, मतंग, प्रभुता, क्षत्रिय

(खंड- ग)

8. निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए- **(2X3=6)**

**हे मेरे जूही के फूल जैसे ईश्वर
मँगवाओ मुझसे भीख
और कुछ ऐसा करो
कि भूल जाऊँ घर पूरी तरह
झोली फैलाऊँ और न मिले भीख**

**कोई हाथ बढाए कुछ देने को
तो वह गिर जाए नीचे
और यदि मै झुकूँ उसे उठाने
तो कोई कुत्ता आ जाए
और उसे झपटकर छीन ले मुझसे।**

(क) कवयित्री ईश्वर को क्या कहकर पुकारती है और क्यों ?

(ख) कवयित्री द्वारा ईश्वर से क्या प्रार्थना की गयी हैं ?

(ग) कवयित्री अपना घर क्यों भूलना चाहती है ?

9. निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए (2X2=4)

वह स्वाधीन किसान रहा ,	लहराते वे खेत दृगों में
अभिमान भरा आँखों में इसका,	हुआ बेदखल वह अब जिनसे,
छोड़ उसे मँझधार आज	हंसती थी जिनके जीवन की
संसार कगार सदृश वह खिसका	हरियाली जिनके तृन-तृन से !

(क) काव्यांश की अलंकार योजना को समझाइए।

(ख)काव्यांश की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

10. निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 60-70 शब्दों में लिखिए। (3X2=6)

(क) विस का प्याला राणा भेज्या, पीवत मीरा हाँसी' इन पंक्तियों से क्या अभिप्राय है? 'मीरा के पदों' के आधार पर बताइए।

(ख) 'घर की याद' कविता के आधार पर पानी के रातभर गिरने और प्राण मन में घिरने में परस्पर क्या संबंध है?

(ग) कवि ने 'मेहनत की लूट सबसे खतरनाक नहीं होती है ' से कविता का आरम्भ करके फिर इसी से अंत क्यों किया ?

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए। (2X3=6)

बिछुड़न का समय बड़ा करुणोत्पादक होता है। आपको बिछड़ते देखकर आज हृदय में बड़ा दुःख है। माइ लॉर्ड !आपके दूसरी बार इस देश में आने से भारतवासी किसी प्रकार प्रसन्न न थे। वे यही चाहते थे कि आप फिर न आवें। पर आप आये और उससे यहाँ के लोग बहुत ही दुखित हुए। वे दिन-रात यही मनाते थे कि जल्द श्रीमान यहाँ से पधारें। पर अहो! आज आपके जाने पर हर्ष की जगह विषाद होता है। इसी से जाना कि बिछुडन समय बड़ा करुणोत्पादक होता है, बड़ा पवित्र, बड़ा निर्मल और बड़ा कोमल होता है। उस समय वैर-भाव छूटकर शांत रस का आविर्भाव होता है।

(क) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने किसे सम्बोधित किया है और क्यों ?

(ख) भारतवासी दुखी क्यों थे ?

(ग) 'बिछुड़न समय' को क्या कहा गया है? स्पष्ट कीजिये।

12.निम्लिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) 'गलता लोहा' कहानी में चित्रित सामाजिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए। **(4)**

(ख) जवाहर लाल नेहरू ने देहात के लोगों को 'हिन्दुस्तान' के बारे में क्या बताया ? **(4)**

अथवा

(ग) 'आदमी को काटकर निकाल लो' व्यंग्य पर अपनी प्रतिक्रिया 'जामुन का पेड़' पाठ के आधार पर दीजिए।

(घ) रजनी स्कूल के हेडमास्टर से मिलने क्यों जाती है ? **(2)**

13. निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर 80-100 शब्दों में लिखिए। (4X3=12)

(क) शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है। 'आलो आंधारि' पाठ के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ख) कुमार गन्धर्व ने लता को बेजोड़ क्यों माना है ?

(ग) "राजस्थान में जल संग्रह के लिए बनी हुई कुईं किसी वैज्ञानिक खोज से कम नहीं है।" स्पष्ट करें।

(घ) 'राजस्थान की रजत बूँदें' पाठ के माध्यम से आप राजस्थानी समाज से किस प्रकार परिचित होते हैं? विस्तारपूर्वक `उत्तर दीजिए।